लिम्फेटिक फाइलेरियासिस

[स्रोत: पी.आई.बी.]

हाल ही में **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री** ने **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic filariasis - LF)** उन्मूलन के लिये द्वि-वार्षिक राष्ट्रव्यापी **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (Mass Drug Administration- MDA) अभियान** का पहला चरण शुरू किया।

नोट:

- अभियान का उद्देश्य बीमारी से प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को **मुफ्त निवारक दवाएँ (providing free preventive medications)** प्रदान करके बीमारी के संचरण को रोकना है। यह अभियान 11 राज्यों के 92 ज़िलों को कवर करेगा।

लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic Filariasis) क्या है?

- **परिचय:**
  - लिम्फेटिक फाइलेरियासिस, जिसे आमतौर पर **हाथीपाँव रोग (एलिफेंटियासिस)** के रूप में जाना जाता है, परजीवी संक्रमण के कारण होने वाला एक **उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Disease- NTD)** है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है।
- **वैश्विक प्रसार:**
  - **44 देशों में 882 मिलियन से अधिक लोग** हाथीपाँव रोग/लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic Filariasis) के खतरे का सामना करते हैं और उन्हें निवारक कीमोथेरेपी (Preventive Chemotherapy) की आवश्यकता होती है।
  - भारत में LF एक गंभीर लोक स्वास्थ्य समस्या है। वर्तमान में, **देश के 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 345 लिम्फैटिक फाइलेरिया स्थानिक ज़िले हैं।**
    - MDA के 75% ज़िले 5 राज्यों बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना से हैं।
  - लिम्फेटिक फाइलेरियासिस शहरी गरीबों में अधिक प्रचलित है और **ग्रामीण आबादी के सभी वर्गों को प्रभावित** करता है।
- **प्रभाव:**
  - संक्रमण **बचपन में शुरू होकर वयस्कता तक संचय होता है**, जिसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय दीर्घकालिक रोग की स्थिति पैदा होती है।
    - यह बीमारी कलंक, मानसिक पीड़ा, सामाजिक अभाव और आर्थिक नुकसान पहुँचाती है तथा प्रभावित समुदायों में गरीबी का एक प्रमुख कारण है।
- **कारण और संचरण:**
  - **परजीवी संक्रमण (Parasitic Infection):**
    - लिम्फैटिक फाइलेरियासिस फिलारियोडिडिया परिवार के नेमाटोड (roundworms) के रूप में वर्गीकृत परजीवियों (**Parasitic**) के संक्रमण के कारण होता है। फाइलेरिया जैसे ये कृमि (worms) तीन प्रकार के होते हैं:
      - **वुचेरेरिया बैन्क्रॉफ्टी (Wuchereria Bancrofti), जो 90% मामलों के लिये उत्तरदायी होता है।**
      - **ब्रुगिया मलाई (Brugia Malayi),** जो शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है।
      - **ब्रुगिया टिमोरी (Brugiya Timori),** भी इस रोग का कारण है।
  - संचरण (Transmission) चक्र:
    - वयस्क कीड़े **लसीका वाहिकाओं(lymphatic vessels)** में रहते हैं, जो माइक्रोफिलारिया का उत्पादन करते हैं जो रक्त में फैलते हैं।
    - मच्छर किसी संक्रमित मेज़बान को काटने से संक्रमित हो जाते हैं और लार्वा को मनुष्यों तक पहुँचाते हैं, जिससे संचरण चक्र कायम रहता है।
- **लक्षण और जटिलताएँ:**
  - **लक्षण रहित और दीर्घकालिक स्थितियाँ:**
    - अधिकांश संक्रमण लक्षण रहित होते हैं किंतु इसकी दीर्घकालिक स्थितियों से **लिम्फोएडेमा** (अंगों की सूजन), **हस्तपाद/एलिफेंटियासिस** (त्वचा/ऊतकों का स्थूल होना) तथा **हाइड्रोसील** (अंडकोश की सूजन) की समस्या हो

सकती है जिससे **शरीर में विकृति तथा मनोवैज्ञानिक विकार** की स्थिति उत्पन्न हो सकती।

- **तीव्र प्रकरण:**
  - तीव्र **शोथ** (Inflammation) की स्थिति अमूमन दीर्घकालिक स्थितियों से संबंधित है जो संक्रमित व्यक्तियों में दुर्बलता तथा उनकी कार्यक्षमता प्रभावित करने का कारण बनती है।

- **उपचार एवं रोकथाम:**
  - **निवारक कीमोथेरेपी:**
    - [विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)]() ने लिम्फेटिक फाइलेरियासिस की रोकथाम के लिये MDA के साथ-साथ प्रभावित लोगों को वार्षिक रूप से निवारक दवाएँ वितरित करने की सिफारिश की।
  - **MDA रेजीमेन्स/नियम:**
    - अन्य फाइलेरिया रोगों के साथ सह-स्थानिकता के आधार पर, **माइक्रोफाइलेरिया घनत्व को कम करने और संचरण को रोकने के लिये** विभिन्न उपचार नियमों के अनुपालन की सलाह दी जाती है।
  - **रुग्णता प्रबंधन:**
    - दीर्घकालिक स्थितियों के निदान और रोग को बढ़ने से रोकने के लिये **सर्जरी, स्वच्छता उपाय तथा नैदानिक देखभाल** आवश्यक है।
  - **वेक्टर नियंत्रण:**
    - **मच्छर नियंत्रण** जैसी रणनीतियाँ **संचरण को कम करने** तथा निवारक कीमोथेरेपी प्रयासों को पूरक बनाने **में मदद करती हैं।**
- **WHO की प्रतिक्रिया और लक्ष्य:**
  - **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस उन्मूलन हेतु वैश्विक कार्यक्रम (GPELF):**
    - इसका शुभारंभ वर्ष 2000 में किया गया था तथा इसका लक्ष्य निवारक कीमोथेरेपी और रुग्णता प्रबंधन के माध्यम से एक सार्वजनिक **स्वास्थ्य समस्या के रूप में मौजूद लिम्फेटिक फाइलेरियासिस** को खत्म करना है।
    - वर्ष 2020 में GPELF ने नए NTD रोड मैप (2021-2030) के लिये निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किये:
      - **मान्यता:** 80% स्थानिक देशों (58) ने MDA के बाद कम संक्रमण दर बनाए रखते हुए उन्मूलन के सत्यापन के मानदंडों को पूरा/मान्य किया।
      - **अनुवीक्षण:** सभी स्थानिक देशों (72) को रोग के पुनः संचरण को रोकने के लिये अनुवीक्षण की आवश्यकता है।
      - **MDA में कमी:** आबादी के बड़े हिस्से पर औषधियों के प्रयोग की अनिवार्यता को कम करना।
- **भारत की पहल:**
  - **मिशन मोड इंडिया मल्टी-ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) अभियान** वर्ष में दो बार राष्ट्रीय **कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त)** के साथ समन्वयित किया जाता है।
  - **भारत** वैश्विक लक्ष्य (2030) से तीन वर्ष पूर्व, **वर्ष 2027 तक लिम्फेटिक फाइलेरियासिस को समाप्त करने के लिये प्रतिबद्ध** है।

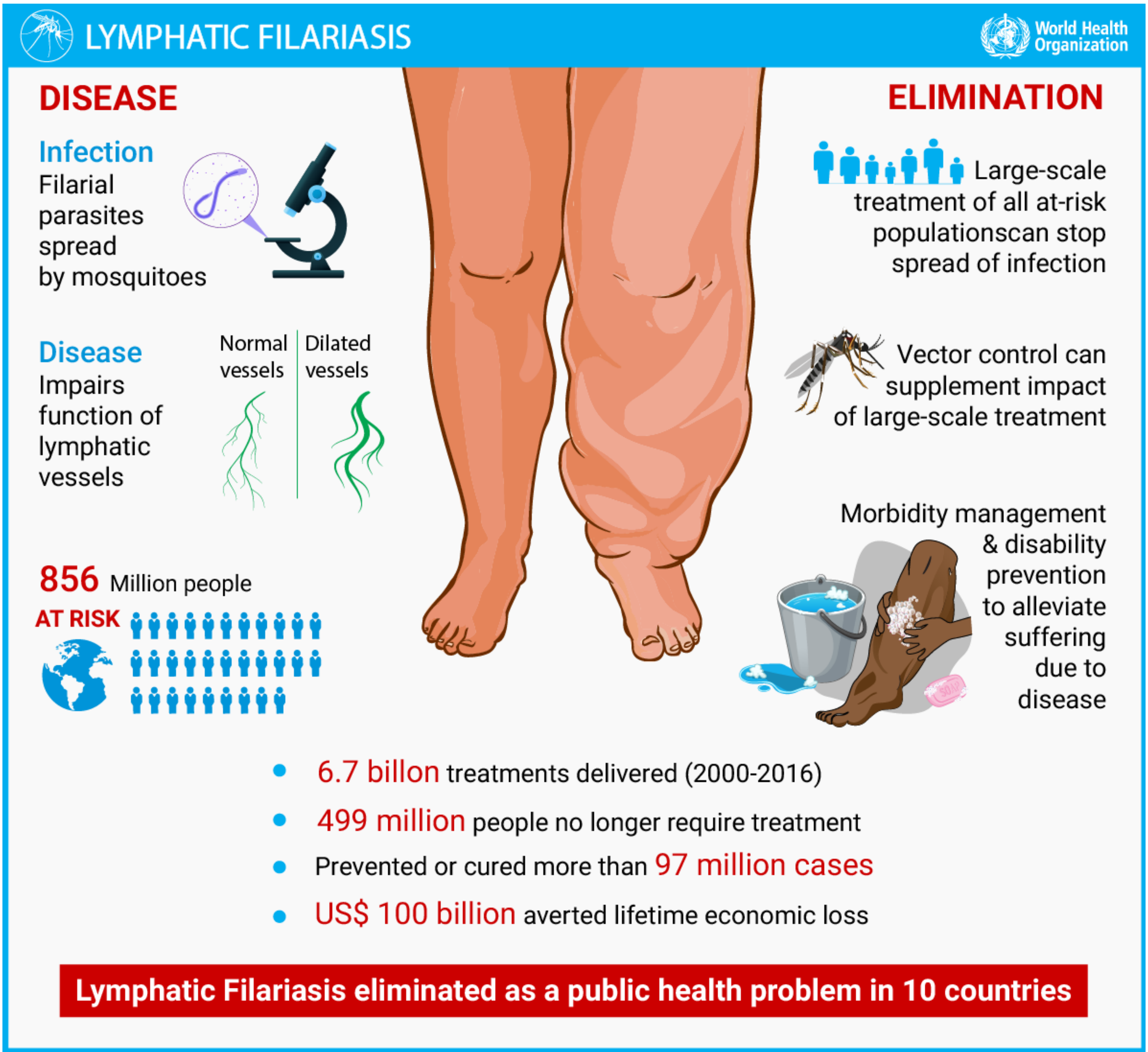

LYMPHATIC FILARIASIS
World Health Organization
DISEASE
Infection
Filarial parasites spread by mosquitoes
Disease
Impairs function of lymphatic vessels
Normal vessels
Dilated vessels
856 Million people
AT RISK
ELIMINATION
Large-scale treatment of all at-risk populationscan stop spread of infection
Vector control can supplement impact of large-scale treatment
Morbidity management & disability prevention to alleviate suffering due to disease
6.7 billon treatments delivered (2000-2016)
499 million people no longer require treatment
Prevented or cured more than 97 million cases
US$ 100 billion averted lifetime economic loss
Lymphatic Filariasis eliminated as a public health problem in 10 countries

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lymphatic-filariasis-3